Toppersnotes

Unleash the topper in you

Pre D.EL.ED

(BSTC)

प्रारंभिक शिक्षा विभाग राजस्थान

भाग – 3

राजस्थान का भूगोल, राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था

SIERRA INNOVATIONS

RAJASTHAN BSTC

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	राजस्थान का भूगोल	
1.	राजस्थान की उत्पत्ति स्थिति एवं विस्तार	**1**
2.	राजस्थान की प्रमुख भौतिक भू–आकृतियाँ	**9**
3.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	**18**
4.	राजस्थान की जलवायु	**36**
5.	वन संसाधन एवं वनस्पति	**46**
6.	राजस्थान में मृदा	**52**
7.	राजस्थान में पशुधन	**56**
8.	राजस्थान में खनिज सम्पदा	**67**
9.	ऊर्जा संसाधन	**81**
10.	कृषि प्रमुख फसलें, उत्पादन व वितरण	**88**
11.	राजस्थान की जनसंख्या	**95**
12.	मरुस्थलीकरण, सुखा एवं अकाल तथा विकास परियोजनाएं	**102**
	राजव्यवस्था	
1.	राज्यपाल	**105**
2.	मुख्यमंत्री	**112**
3.	मंत्रीपरिषद	**117**
4.	राज्य विधान मंडल	**121**
5.	उच्च न्यायालय	**134**
6.	राजस्थान लोक सेवा आयोग	**140**
7.	राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान	**145**
8.	राजस्थान राज्य सूचना आयोग	**148**
9.	राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग	**152**
10.	सचिवालय एवं मुख्य सचिव	**155**
11.	राजस्थान में जिला प्रशासन	**159**
12.	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	**168**
13.	राजस्थान के लोकायुक्त	**185**
14.	राज्य वित्त आयोग	**188**
15.	राजस्थान राज्य महिला आयोग	**190**
	अर्थव्यवस्था	
16.	राजस्थान आर्थिक–समीक्षा 2022–23	**192**
17.	वृहद् आर्थिक प्रवृत्तियों का परिदृश्य	**194**
18.	कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र	**198**

19.	राजस्थान में पशुधन	**209**
20.	ग्रामीण विकास और पंचायती राज	**214**
21.	औद्योगिक विकास	**219**
22.	आधारभूत संरचना का विकास	**230**
23.	सेवा क्षेत्र	**233**
24.	शहरीकरण और शहरी विकास	**239**
25.	बुनियादी सामाजिक सेवाएं – शिक्षा एवं स्वास्थ्य	**244**
26.	अन्य सामाजिक सेवाएं ६ कार्यक्रम	**251**
27.	राज्य वित्त एवं विकास के अन्य संसाधन	**259**
28.	सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)	**264**

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे ।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें ।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

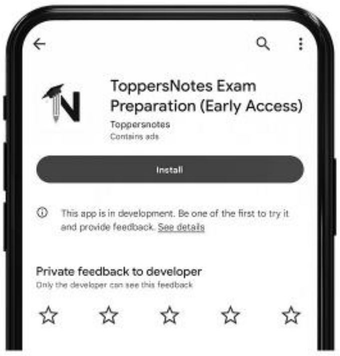

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से ।

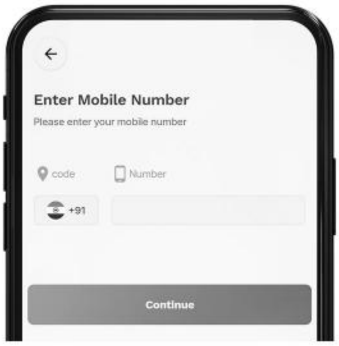

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें ।

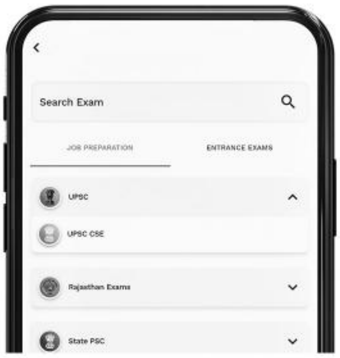

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें ।

सर्च बटन पर क्लिक करें ।

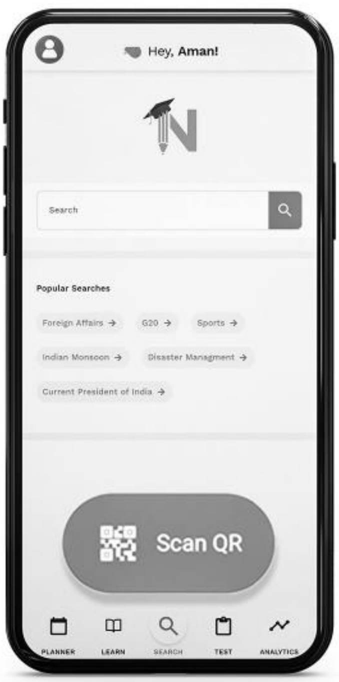

SCAN QR पर क्लिक करें ।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें ।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें ।

1 CHAPTER

राजस्थान की उत्पत्ति स्थिति एवं विस्तार

राजस्थान की उत्पत्ति

अंगारालैण्ड

पंजिया का उत्तरी भाग जिससे उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी एशिया का निर्माण हुआ है।

गोंडवानालैण्ड

पंजिया का दक्षिणी भाग जिससे दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिणी एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अंटार्कटिका का निर्माण हुआ है।

टेथिस सागर

यह मस भूसन्नति है जो अंगारालैण्ड व गोंडवानालैण्ड के मध्य स्थित है।

Note– राजस्थान का निर्माण

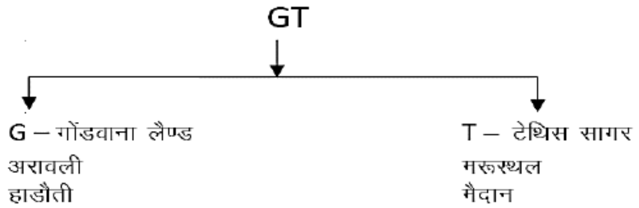

राजस्थान की स्थिति

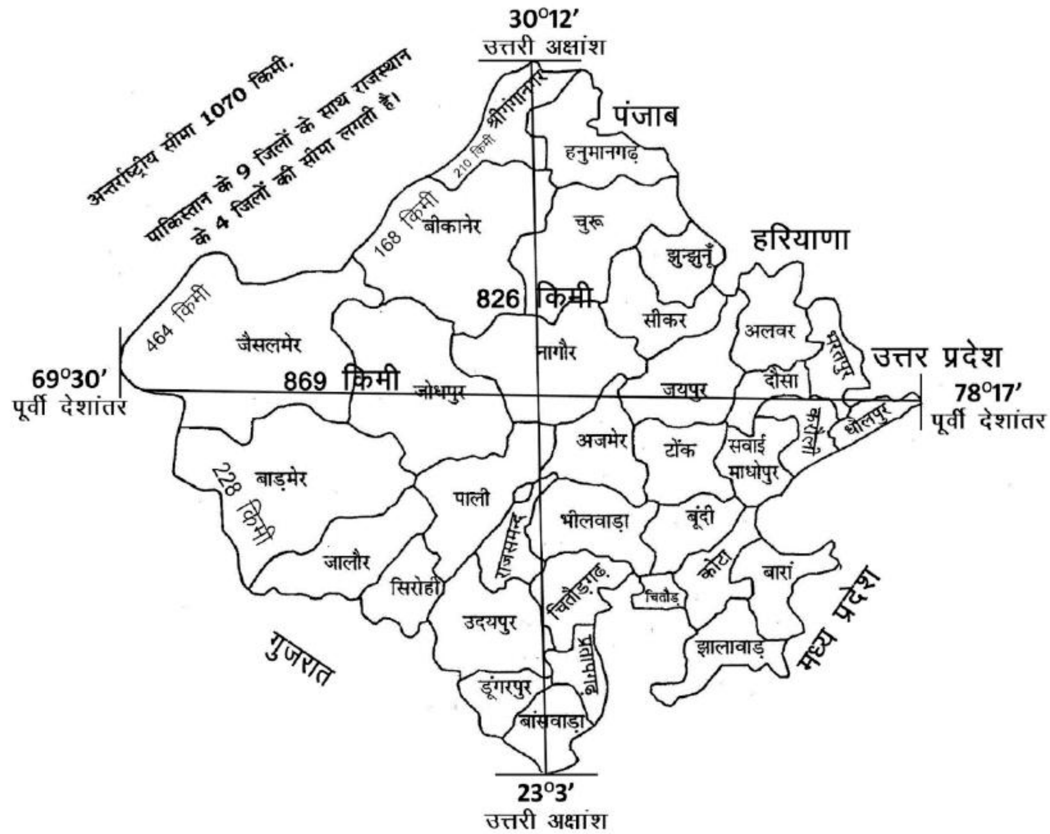

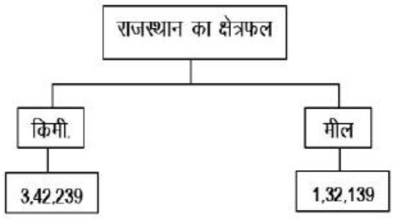

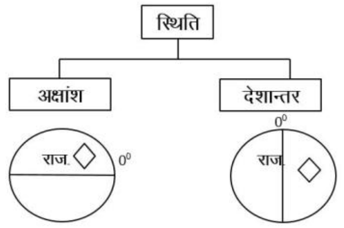

- **अवस्थिति** - **भारत के उत्तरी-पश्चिमी भाग** में अवस्थित
  - **अक्षांशीय विस्तार** - 23°3′ से 30°12′ उत्तरी अक्षांश
  - **देशांतरीय विस्तार** - 69°30′ से 78°17′ पूर्वी देशान्तर
- राजस्थान **क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य** है।
- **आकार**- पतंगाकार
  - **लम्बाई**- उत्तर से दक्षिण तक 826 किलोमीटर
  - **चौड़ाई** - पूर्व से पश्चिम तक 869 किलोमीटर
- **क्षेत्रफल** - 3.4 लाख वर्ग किलोमीटर (**भारत** के कुल क्षेत्रफल **का 10.43%**)
- **कर्क रेखा** (23 ½^0 उत्तरी अक्षांश) इसके दक्षिणी छोर पर **बाँसवाड़ा के पास से गुजरती** है।
- **पड़ोसी राज्य** -
  - उत्तर - **पंजाब**
  - उत्तर-पूर्व - **हरियाणा**
  - पूर्व - **उत्तर प्रदेश**
  - दक्षिण-पूर्व - **मध्य प्रदेश**
  - दक्षिण-पश्चिम - **गुजरात**

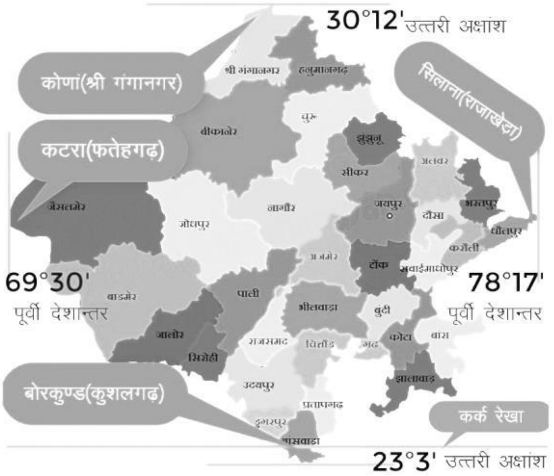

राजस्थान का अक्षांशीय विस्तार

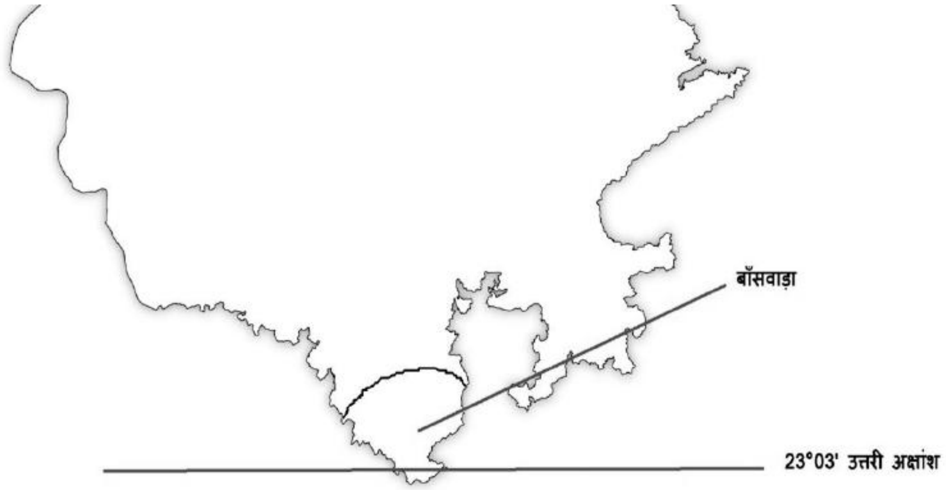

- **अक्षांश** - 23°3′ से 30°12′ उत्तरी अक्षांश

  ↓ ↓
- **स्थान** - बोरकुंड गाँव - कोणा गाँव
- **जिला**- बाँसवाड़ा - श्रीगंगानगर
- **दिशा** - दक्षिण (826 किमी.) - उत्तर
- **अंतर**- 7 डिग्री 9 मिनट

राजस्थान का देशान्तरीय विस्तार

- **देशान्तर -** 69°30′ से 78°17′ पूर्वी देशान्तर

  ↓ ↓
- **स्थान** - कटरा गाँव - सिलाना गाँव
- **जिला**- जैसलमेर - धौलपुर
- **दिशा** - पश्चिम (869 किमी.) – पूर्व
- **अंतर** – 8 डिग्री 47 मिनट

पश्चिम (जैसलमेर) और पूर्व (धौलपुर) के मध्य समय अंतर - **35 मिनट और 8 सेकंड**

राजस्थान की सीमाएँ

- **अंतर्राष्ट्रीय सीमा** - पाकिस्तान के साथ 1070 किलोमीटर लम्बी (रैडक्लिफ) सीमा (RAS-P-1998)
  - **सीमावर्ती राज्य** - गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर व बाड़मेर
- **राजस्थान की अंतर्राज्यीय सीमा** - 4850 किमी.
- **राज्य की कुल सीमा –** 5920 किमी.
- **राजस्थान के परिधीय जिले** - 25
- **अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित पाकिस्तान के 2 राज्य हैं** - पंजाब और सिंध

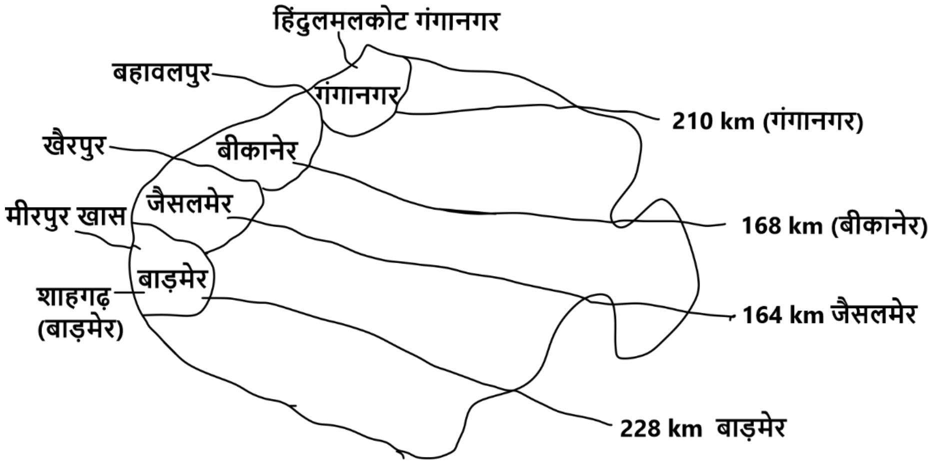

अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे राजस्थान एवं पाकिस्तान के जिले

राजस्थान की भौगोलिक क्षेत्र की सीमा रेखा

राज्य	अन्य राज्यों की सीमा को स्पर्श करने वाले राजस्थान के जिले	सर्वाधिक लम्बी एवं छोटी सीमा	पडोसी राज्य \देश एवं उनके जिले
मध्य प्रदेश (1,600 किमी.)	10(धौलपुर,करौली,सवाईमाधोपुर,कोटा बाराँ,झालावाड़,चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़	सर्वाधिक – झालावाड़ न्यूनतम- भीलवाड़ा	10 जिले (झाबुआ ,गुना, राजगढ़, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, मंदसौर, रतलाम, आगर मालवा, नीमच)
पंजाब (89 किमी.)	2 (हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर)	सर्वाधिक – श्री गंगानगर न्यूनतम-हनुमानगढ़	2 जिले (फजिल्का और मुक्तसर)
हरियाणा (1,262 किमी.)	7 (हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, अलवर, भरतपुर)	सर्वाधिक – हनुमानगढ़ न्यूनतम-जयपुर	7 जिले (रेवाड़ी, मेवात(नूंह), भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, मेहन्द्रगढ़)
उत्तर प्रदेश (877 किमी.)	2 (धौलपुर, भरतपुर)	सर्वाधिक – भरतपुर न्यूनतम-धौलपुर	2 जिले (आगरा और मथुरा)
गुजरात (1,022 किमी.)	6 (उदयपुर, बाड़मेर, सिरोही, जालौर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा)	सर्वाधिक – उदयपुर न्यूनतम-बाड़मेर	6 जिले (कच्छ ,बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, दाहोद)
पाकिस्तान (1070किमी.)	गंगानगर(210), बीकानेर(168), जैसलमेर(464), बाड़मेर (228)	सर्वाधिक – जैसलमेर न्यूनतम-बीकानेर	2 राज्य (पंजाब एवं सिंध) 10 जिले

- **राजस्थान के 8 जिले अन्तर्वर्ती** हैं - जोधपुर, बूँदी, टोंक, राजसमन्द, अजमेर, पाली, नागौर और दौसा

- **चित्तौड़गढ** और **अजमेर** दोनों जिले **विभाजित** हैं।
  - राजसंमन्द, अजमेर को 2 भागो में विभाजित करता है।

राजस्थान के अन्तर्वर्ती जिले

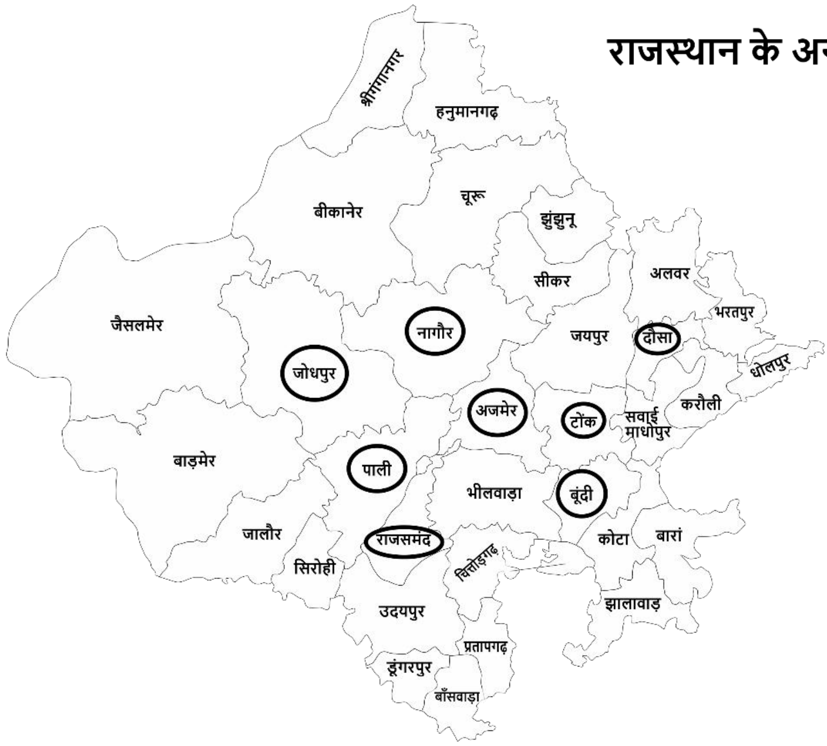

- **पाली** - सबसे अधिकतम 8 जिलों से सीमा बनाता है।
- **राजस्थान के केवल अन्तर्राज्यीय सीमा वाले जिले** - 21
- **2 जिले** हैं जिनकी **अन्तर्राज्यीय** एवं **अन्तर्राष्ट्रीय सीमा** है
  - **गंगानगर** (पाकिस्तान + पंजाब),
  - **बाड़मेर** (पाकिस्तान+ गुजरात)

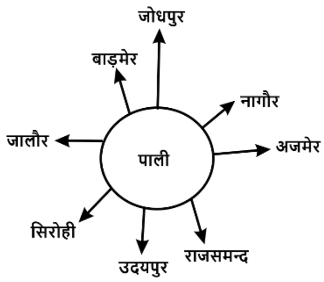

- राजस्थान के **4 जिले** हैं जिनकी सीमा दो राज्यों से लगती है।
  - **हनुमानगढ़ -** पंजाब / हरियाणा
  - **भरतपुर**- हरियाणा / उत्तर प्रदेश
    - **धौलपुर** - उत्तर प्रदेश / मध्य प्रदेश
  - **बाँसवाड़ा** - मध्य प्रदेश / गुजरात
- **झालावाड़** जिले की **अन्तर्राज्यीय सीमा** सबसे **लंबी** है जो **मध्यप्रदेश** के साथ लगती है।
- **बाड़मेर** जिला **सबसे छोटी अन्तर्राज्यीय सीमा** बनाता है जो **गुजरात** से मिलती है।
- **गुजरात राज्य** के साथ सीमा विवाद चल रहा है। **(उदयपुर संभाग के मांडवा क्षेत्र के झांझर तथा गुजरात के बीच 200 बीघा का विवाद)**

राजस्थान प्रादेशिक के परिवर्तन का स्वरूप एवं वर्तमान नाम

प्राचीन नाम	बदला स्वरूप	वर्तमान नाम
योद्धेय	जोहयावाटी	गंगानगर
जांगल	भटनेर	बीकानेर
अहिच्छत्रपुर	अहिपुर	नागौर
गुर्जर	गुरजान्ना	मण्डोर–जोधपुर
शाकंभरी सांभर	अजयमेरू	अजमेर
श्रीमाल स्वर्णगिरि	गेलोर भीनमाल	बाड़मेर
वल्ल	दुंगल	जैसलमेर
अर्बुद	चन्द्रावती	सिरोही
विराट	रामगढ़	जयपुर
शिवि	चित्तौड	उदयपुर
कांठल	देवलिया	प्रतापगढ़
पालन	दशपुर	झालावाड़
व्याघ्रवाट	वांगड़	बांसवाड़ा
जाबालीपुर	स्वर्णगिरि	जालौर
कुरू		भरतपुर, करौली

शौरसेन		धौलपुर
हयहय		कोटा, बूँदी
चंद्रावती		आबू, सिरोही
छप्पन मैदान		प्रतापगढ, बाँसवाड़ा के छप्पन ग्राम समूह
मेवल		डूँगरपुर, बाँसवाड़ा के बीच का भाग
ढूंढाड़		जयपुर
थली		चूरू, सरदार शहर
हाड़ौती		कोटा, बूँदी, झालावाड
शैखावटी		चूरू, सीकर, झुंझुनू

राजस्थान का सांस्कृतिक विभाजन

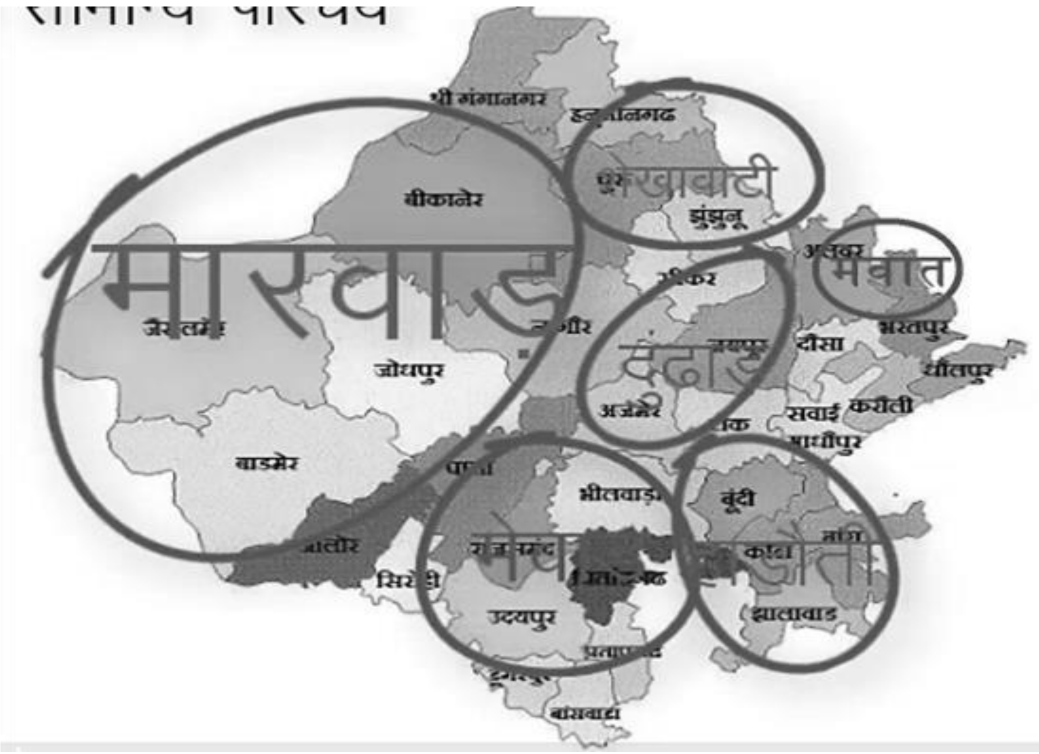

सांस्कृतिक विभाजन	सम्मिलित होने वाले ज़िले
मेवाड़	• उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़
मारवाड़	• जोधपुर, नागौर, पाली, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
दूंढाड़	• जयपुर, दौसा, टोंक व अजमेर का भाग
माल/हाड़ौती	• कोटा , बूँदी, बाराँ, झालावाड़
शेखावाटी	• चूरू, सीकर, झुंझुनू
मेवात	• अलवर, भरतपुर
वागड़	• डूँगरपुर, बाँसवाडा
वागड़	• पाली, सीकर, नागौर और झुंझुनू
राठी	• बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर
भोराट	• उदयपुर की गोगुन्दा पहाड़ियों और राजसमन्द की कुम्भलगढ़ पहाड़ियों के मध्य का पठारी क्षेत्र
मालवा	• प्रतापगढ़ और झालावाड़
मरू	• जोधपुर संभाग
मत्स्य	• अलवर, भरतपुर, करौली और धौलपुर
बीड	• झुंझुनू में स्थित चारागाह भूमि
यौध्देय	• हनुमानगढ़ और गंगानगर

राजस्थान की क्षेत्रफल की दृष्टि से अन्य देशों से तुलना

प्रमुख देश	राजस्थान का क्षेत्रफल (बडा)
जर्मनी	बराबर
जापान	बराबर
ब्रिटेन	दोगुना
श्री लंका	5 गुना
इजराइल	17 गुना

क्षेत्रफल के अनुसार राजस्थान के जिले

सबसे बड़े जिले	सबसे छोटे जिले
1. जैसलमेर (38401 वर्ग किमी.) • राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 11.22% • राजस्थान का एकमात्र जिला जिसका क्षेत्रफल 10% से ज्यादा है।	1. धौलपुर (3034 वर्ग किमी.) • राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 0.89% • राजस्थान का एकमात्र जिला जिसका क्षेत्रफल 1% से कम है।
2. बीकानेर (30239 वर्ग किमी.)	2. दौसा (3432 वर्ग किमी.)
3. बाड़मेर (28387 वर्ग किमी.)	3. प्रतापगढ़ (3,730 किमी.)
4. जोधपुर (22,850 किमी.)	4. डूँगरपुर(3770 वर्ग किमी.)

राजस्थान के जिले एवं उनका क्षेत्रफल

राजस्थान के 7 संभागों में 33जिले हैं जो इस प्रकार हैं।

जिला	क्षेत्र (किमी²)	जनसंख्या (2011)
अजमेर जिला	8481	25,83,052
अलवर जिला	8380	36,74,179
उदयपुर जिला	17,279	30,68,420
करौली जिला	5530	14,864325
कोटा जिला	12,436	19,51,014
चित्तौड़गढ़ जिला	10,856	15,44,338
चूरु जिला	16,830	20,39,547
जयपुर जिला	14,068	66,26,178
जालौर जिला	10,640	18,28,730
जैसलमेर जिला	**38,401(1st)**	6,69,919
जोधपुर जिला	22,850	36,87,165
झालावाड़ जिला	6219	14,11,129
झुंझुनू जिला	5,928	21,37,045
टोंक जिला	7194	14,21,326
डूँगरपुर जिला	3770	13,88,552
दौसा जिला	3432	16,34,409
धौलपुर जिला	3034	12,06,516
नागौर जिला	17,718	33,07,743
पाली जिला	12,387	20,37,573
प्रतापगढ़ जिला	4117	8,67,848
बाँसवाड़ा जिला	5037	17,97,485
बाड़मेर जिला	28,387	26,03,751
बाराँ	6955	12,23,755
बीकानेर जिला	30139	23,63,937
बूँदी जिला	5550	11,10,906
भरतपुर जिला	5,066	25,48,462
भीलवाड़ा जिला	10,455	24,08,523

राजसमंद जिला	4768	11,56,597
श्रीगंगानगर जिला	7984	19,69,168
सवाई माधोपुर जिला	10,527	13,35,551
सिरोही जिला	5136	10,36,346
सीकर जिला	7,732	26,77,333
हनुमानगढ़ जिला	12,645	17,74,692
राजस्थान	**342239**	**68548437**

राजस्थान के जिलों की आकृतियाँ

- **अजमेर**- त्रिभुजाकार
- **चित्तौड़** - घोड़े की नाल
- **भीलवाड़ा** - लगभग आयताकार
- **सीकर**- प्यालाकार / अर्द्धचंद्राकार
- **जोधपुर**- मयूराकार
- **जैसलमेर** – अनियमित बहुभुज
- **बाड़मेर**- भारत जैसा
- **दौसा**- धनुषाकार
- **टोंक** - पतंगाकार/चतुर्भुजाकार
- **करौली**- बतखाकार
- **राजसमन्द** – माथे के तिलक के समान

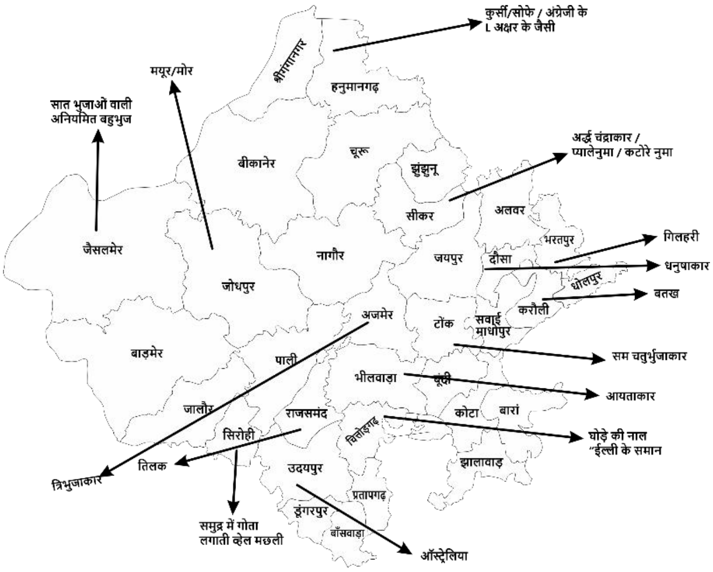

राजस्थान में संभागीय व्यवस्था

- 1 नवम्बर, 1956 को पुनर्गठन के समय - 26 जिले।
- संभागीय व्यवस्था 1949 में प्रारंभ (उस समय 5 संभाग)।
- अप्रैल 1962 में मोहनलाल सुखाड़िया ने समाप्त कर दिया। जिसे 1987 में हरिदेव जोशी ने पुन: प्रारंभ किया ।
- वर्तमान में – 33 जिले एवं 7 संभाग।

क्रम	जिला	निर्माण तिथि
27 वाँ	धौलपुर	15 अप्रैल, 1982
28 वाँ	बाराँ	10 अप्रैल, 1991
29 वाँ	दौसा	10 अप्रैल, 1991
30 वाँ	राजसमन्द	10 अप्रैल, 1991
31 वाँ	हनुमानगढ़	12 जुलाई, 1994
32 वाँ	करौली	19 जुलाई, 1997
33 वाँ	प्रतापगढ़	26 जनवरी, 2008

संभाग	जिले	क्षेत्रफल(वर्ग किमी)	विशेष
जोधपुर (6 जिले)	जोधपुर,पाली,सिरोही,जालौर,बाड़मेर,जैसलमेर	117800	**सर्वाधिक क्षेत्रफल**
बीकानेर(4 जिले)	बीकानेर ,चूरू,गंगानगर ,हनुमानगढ़	64708	
अजमेर(4 जिले)	अजमेर, टोंक,भीलवाड़ा ,नागौर	43848	गठन-1987, केन्द्रीय स्थित्ति
उदयपुर(6 जिले)	उदयपुर,राजसमन्द, डूँगरपुर,बाँसवाडा, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़	36942	6 जिलों वाला दूसरा संभाग
जयपुर(5 जिले)	जयपुर,अलवर,दौसा, सीकर, झुंझुनू	36615	**सर्वाधिक जनसंख्या**
कोटा(4 जिले)	कोटा, बूँदी, बाराँ, झालावाड़	24204	**न्यूनतम जनसंख्या**
भरतपुर(4 जिले)	भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर	18122	नवीनतम संभाग(4 जून 2005),**न्यूनतम क्षेत्रफल**

नोट-

- 6-6 जिलों वाले संभाग – जोधपुर एवं उदयपुर
- 4-4 जिलों वाले संभाग – बीकानेर,अजमेर,कोटा, भरतपुर
- 5 जिलों वाला एक मात्र संभाग – जयपुर
- उदयपुर एवं जयपुर संभाग का क्षेत्रफल लगभग बराबर है।

राजस्थान का संक्षिप्त विवरण(प्रतीक चिह्न)

प्रतीक	चिह्न	घोषित वर्ष	विशेष
राजकीय पक्षी	गोडावन	1981	वैज्ञानिक नाम – कोरियोटिस नाइग्रिसेप आवास- राष्ट्रीय मरू उघान (जैसलमेर), सोंकलिया (अजमेर), सौरसेन (बाराँ) अन्य नाम – माल मोरडी, हुकना,सोहन चिड़िया ,गुधनमेर
राजकीय पशु (नॉन डोमेस्टिक स्टेट एनिमल)	चिंकारा	1981	वैज्ञानिक नाम – गजेला बेनाट्टी एंटीलोप प्रजाति का जीव
राजकीय पशु (डोमेस्टिक स्टेट एनिमल)	ऊँट	19/09/2014	वैज्ञानिक नाम – केमेलस ड्रोमेडेरियस मरुस्थल का जहाज ,पालक- रेबारी ,राईका ऊँट के देवता- पाबूजी
राजकीय वृक्ष	खेजड़ी	31/10/1983	वैज्ञानिक नाम – प्रोसोपिस सिनेरेरिया रेगिस्तान का कल्पवृक्ष ,राजस्थान का गौरव
राजकीय पुष्प	रोहिड़ा	31/10/1983	वैज्ञानिक नाम – टिकोमेला अन्डूलेटा राजस्थान की मरुशोभा , रेगिस्तान का सागवान मुख्यत: पश्चिमी राजस्थान में पाया जाता है।
राजकीय खेल	बास्केटबॉल	1984	महिला बास्केटबॉल एकेडमी, जयपुर बालक बास्केटबॉल एकेडमी ,जैसलमेर
राजकीय दिवस	30 मार्च		30 मार्च, 1949 में वृहद् राजस्थान का गठन
राजकीय लोक नृत्य	घूमर		केवल महिलाओं के द्वारा किया जाता है।
राजकीय गीत	केसरिया बालम		
राजकीय मिठाई	घेवर		

2 CHAPTER राजस्थान की प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ

राजस्थान की भू-आकृतियों को निम्नलिखित प्रदेशों में विभाजित किया गया है-

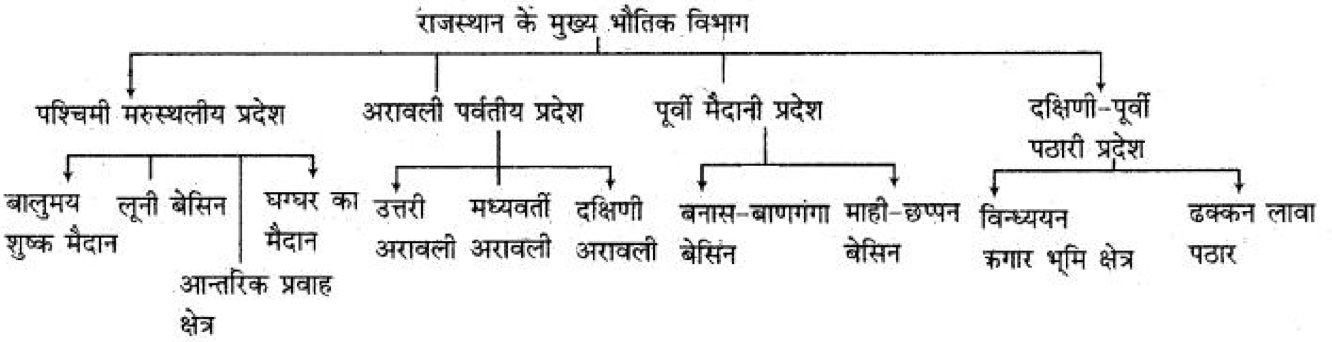

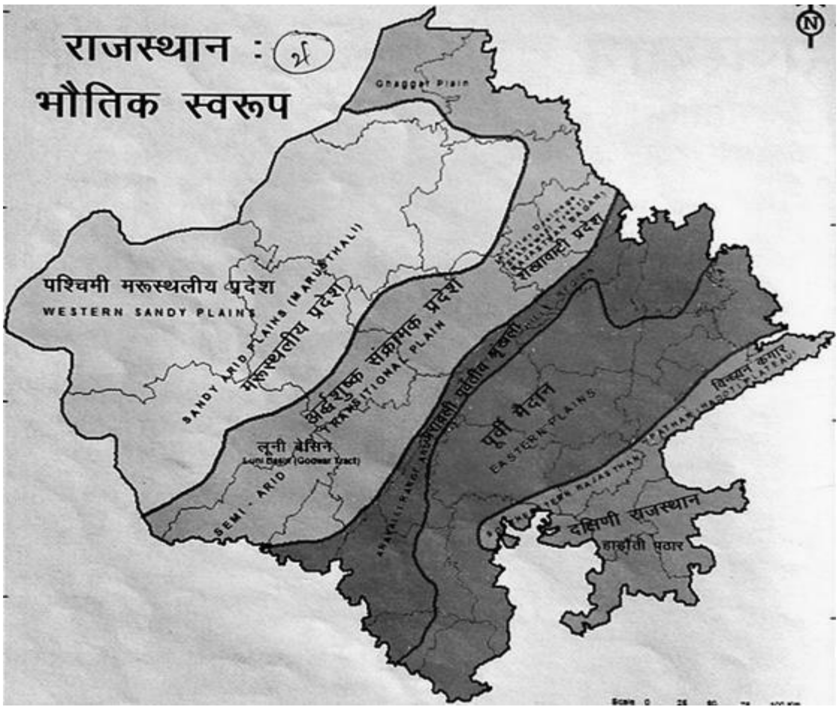

भौतिक विभाग	जनसंख्या	क्षेत्रफल	जिले	जलवायु	वर्षा(सेमी)	वन	मृदा	उद्भवकाल
पश्चिमी रेतीला मैदान	39%	61.11%	12	शुष्क विषम	10 से 40	काँटेदार झाड़ियाँ	रेतीली बलुई	क्रिटेशियस युग
अरावली प्रदेश	11%	9.00%	13	उप आर्द्र	40 से 60	उष्ण कटिबंधीय झाड़ियाँ	काली -भूरी पथरीली	प्री-कैम्ब्रियन
पूर्वी मैदान	40%	23.00%	10	आर्द्र	60 से 80	मिश्रित पतझड़	जलोढ़-दोमट	प्लीसटोसीन युग (प्रारंभ)
दक्षिण-पूर्वी पठार	10%	6.89%	7	अति आर्द्र	80 से 120	सदाबहार	काली-लाल कछारी	प्लीसटोसीन (उत्तर)
योग	100%	100%						

1. पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश

- **अवस्थिति -** राजस्थान के पश्चिम में यह अरावली पर्वतमाला के उत्तर-पश्चिम और पश्चिम में विस्तृत है।
- पूर्वी सीमा के आगे यह क्षेत्र **50 सेमी समवर्षा रेखा द्वारा चिन्हित** है।
- यह **बालू मिट्टी** का विस्तृत मैदान है और पानी की कमी की वजह से **अनुपजाऊ** है।

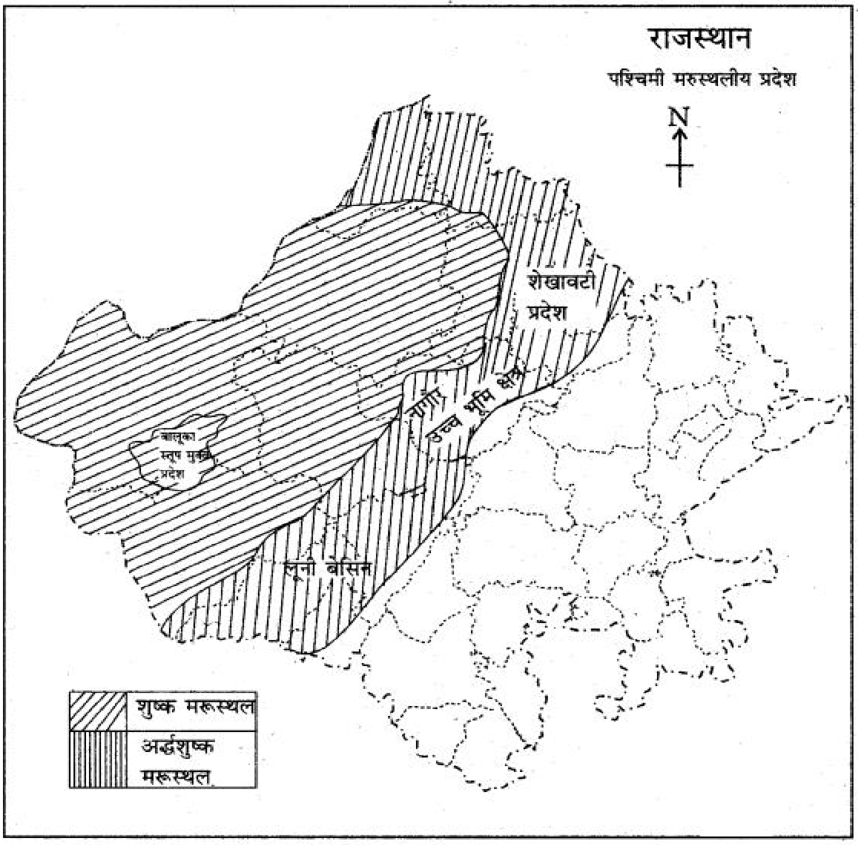

जिले(12)	• गंगानगर, हनुमानगढ़, झुँझुनूँ सीकर, चूरू, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही आदि।
क्षेत्रफल	• 2,13,688 वर्ग किलोमीटर
लंबाई	• 640 किलोमीटर
चौड़ाई	• 300 किलोमीटर
नदी	• लूनी- इसका उद्भव अजमेर में अरावली के दक्षिण पश्चिम से होता है और यह दक्षिण-पश्चिम की ओर बहती है और कच्छ के रण (अरब सागर) में गिरती है [केवल बरसात के मौसम के दौरान]। • सहायक नदियाँ- सुकडी और जवाई।

- इसका **पूर्वी भाग थार रेगिस्तान** के रूप में जाना जाता है।
- यह पूरी तरह से **सूखा** है और **मरुस्थलीय वनस्पति** से आच्छादित है।
- **पश्चिमी मरुस्थलीय मैदान** और **पाकिस्तान** लगभग **1070 किलोमीटर** तक अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार एक दूसरे के सामने अवस्थित हैं।

विभाजन

(i) बालूमय शुष्क मैदान

- **क्षेत्रफल**- पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का 61%
- **जनसंख्या**- 40%
- **न्यूनतम वर्षा**- 50 सेमी
- इस क्षेत्र में **बालू** और **अनवरत चट्टानों** का **विशाल विस्तार** पाया जाता है।
- **चूना पत्थर** मुख्य रूप से **जैसलमेर**, **बाड़मेर**, **बीकानेर**, **चूरू**, **हनुमानगढ़** और **श्रीगंगानगर** में पाए जाते हैं।
- **अपरदन स्थलाकृति** बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर और अन्य क्षेत्रों में स्पष्ट है जहाँ सतह पर **चट्टानें** निकली हुई हैं।
- **बालूमय शुष्क मैदान** को आगे **दो उप-क्षेत्रों** में उप-विभाजित किया गया है।

शुष्क मरुस्थली	• **जिला**- बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, चूरू आदि। • **क्षेत्रफल** - 120500 वर्ग किमी (थार रेगिस्तान) • **रेत के टीलों की ऊँचाई** - 6 मीटर से 60 मीटर • **रेत के टीलों की लंबाई** - 3 किमी से 5 किमी. • **पश्चिम** की ओर इस बालूमय शुष्क मरुस्थली को **थार मरुस्थल** के नाम से जाना जाता है। • रेत के टीलों का **स्थानांतरण** स्थानीय रूप से **धरियन** के रूप में जाना जाता है।
1. बालुका स्तूप मुक्त क्षेत्र	• **जिले**- बीकानेर, जैसलमेर, फलोदी और पोखरण। • **क्षेत्रफल** – 41.50 वर्ग किमी. मरुस्थल का (85650 वर्ग किमी.)। • चूना पत्थर और बलुआ पत्थर की चट्टानें यहाँ **जुरासिक** और **इयोसीन कालिक संरचनाओं** से संबंधित हैं। • यह चट्टानी लेकिन **बालुका स्तूप से विहीन पथ** है। • जैसलमेर शहर के 64 किलोमीटर के घेरे में **कई छोटी पहाड़ियाँ** पाई जाती हैं। • **सूखे तलों** और तटों का **भूजल** के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। • **ग्रिड समूह**, **नीस** , **शिस्ट** और **ग्रेनाइट चट्टानें** भी पाई जाती हैं।

- **आकार** व **हवा की दिशा** के आधार पर **निम्नलिखित प्रकार** के **बालुका स्तूप/ टीले** होते हैं-
- सर्वाधिक बालुका स्तूप – जैसलमेर
- सभी प्रकार के बालुका स्तूप – जोधपुर

अनुप्रस्थ बालुका स्तूप 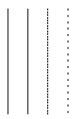	• दक्षिण पश्चिम से उत्तर पूर्व की ओर अवस्थित हैं। (**सर्वाधिक -जोधपुर**) • प्रचलित हवाओं के समानांतर और अधिकतर तलवार के आकार के होते हैं। • धुरी हवा की दिशा के समानांतर होती है। • ये बीकानेर, हनुमानगढ़ (रावतसर), गंगानगर (सूरतगढ़) चूरू, झुंझुनूँमें मिलते है।
अर्धचंद्राकार बालुका स्तूप या बरखान 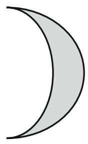	• टीलों की चौड़ाई -100 मीटर से 200 मीटर • टीलों की ऊँचाई-10 मीटर से 20 मीटर • टीले में मंद ढाल वाला उत्तल पक्ष और तीव्र ढलान वाला अनुप्रस्थ पक्ष होता है। • ये टीले चलायमान होते हैं। (**सर्वाधिक -शेखावाटी क्षेत्र में**) • ये अलग-थलग या कभी-कभी साथ-साथ पंक्तियों में पाए जाते हैं।
अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप 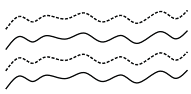	• टीले पवन की दिशा में बनते हैं। (**सर्वाधिक - जैसलमेर**) • आमतौर पर मरुस्थली के पूर्वी और उत्तरी भागों में पाया जाता है। • ये U आकार के टीले हैं।
तारा बालुका स्तूप 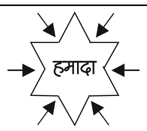	• पथरीले मरुस्थलीय क्षेत्र (हमादा) में ये बहुतायत से पाए जाते हैं। • मोहनगढ़ , सूरतगढ़ और पोकरण (**संख्या में सर्वाधिक**)।

(ii) अर्ध-शुष्क बेसिन या राजस्थान बाँगर

- **बालूमय शुष्क मैदानों** और **अर्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदान** को **25 सेमी समवर्षा** रेखा विभाजित करती है।
- सबसे पश्चिमी हिस्सा जो **'महान मरुस्थल'** है, बालुका स्तूपों से आच्छादित है, जो पाकिस्तान की सीमा से लगे **महान रण** से लेकर **पंजाब** तक फैली हुई है।
- **राजस्थान** का **60 प्रतिशत** बालुका स्तूप **क्षेत्र** बाड़मेर, जैसलमेर और बीकानेर के रेगिस्तानी जिलों में **केंद्रित** है।
- **जिला** - जयपुर, जोधपुर, नागौर, पाली, जालौर, बाड़मेर।
- **क्षेत्रफल** - 7500 वर्ग किमी
- **वर्षा** - 20 सेमी
- यह **पूर्वी भाग** में स्थित है और इसका **दक्षिण-पूर्वी भाग लूनी** द्वारा सिंचित है।
- **अवनालिकाओं** ने एक **अनूठे परिदृश्य** को जन्म दिया है। और इसका **पूर्वी भाग सतही रेत** के **जमाव** से **आच्छादित** है।
- उत्तर की ओर **शेखावाटी पथ** है जो **अर्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदान** है जिसमें **अन्तःस्थलीय जल प्रवाह** वाली **सांभर**, **डीडवाना** आदि लवणीय झीलें पायी जाती हैं।

घग्घर का मैदान	• **निर्माण**- घग्घर, वैदिक सरस्वती, सतलज एवं चौतांग नदियों की जलोढ़ मिट्टी से। • **विस्तार**- हनुमानगढ़, गंगानगर। • घग्घर नदी के घाट को "**नाली**" कहते हैं। • **वर्तमान** में मृत नदी नाम से विख्यात। • **वर्षा** ऋतु में **बाढ़** आने पर हनुमानगढ़ में **जलमग्न।** • **भटनेर** के पास **रेगिस्तान में विलुप्त।**
शेखावाटी प्रदेश	• **अर्ध-शुष्क संक्रमणकालीन मैदान** के भीतर **राजस्थान सीमा** तक **लूनी बेसिन** के उत्तर में क्षेत्र **आच्छादित** है। • **जिला** - चूरू, सीकर, झुँझुनूँ और नागौरी (**अंत:प्रवाह क्षेत्र**)। • **पूर्वी सीमा** को **50 सेमी समवर्षण रेखा** द्वारा **चिह्नित** किया गया है। • **जोहड़** - पानी के कच्चे कुएँ। • **सर** -मानसून के दौरान बनने वाले तालाब। • **बीड** -शेखावाटी के चारागाह के मैदान। • शेखावाटी इलाकों की **स्थलाकृति** की विशेषता **लहरदार रेतीले** इलाके है, जो **अनुदैर्ध्य रेत** के टीलों से होकर **गुजरती** है। • केवल एक **मौसमी नदी कांतली** यहाँ प्रवाहित होती है और जब यह **चूरू** जिले में प्रवेश करती है, वह भी **रेतीले इलाके** में खो जाती है। • इस प्रकार, यह क्षेत्र **अन्तः स्थलीय जल निकासी** का **क्षेत्र** है नदियों का नहीं। • यहाँ रेत के टीले **अनुप्रस्थ प्रकार** (बरखान प्रकार) के हैं, जबकि **अन्य** क्षेत्रों में वे **अनुदैर्ध्य** प्रकार के हैं। • समुद्र तल से **450 मी. ऊँचाई** वाले इस क्षेत्र में **चूने की परत** पाई जाती है।
नागौरी उच्च भूमि	• पूरा क्षेत्र **बंजर** और **रेतीला** है। **परबतसर** और कुछ **पहाड़ियों** को छोड़कर कोई **पहाड़ नहीं** हैं। • **नागौर** के आसपास का क्षेत्र रेत के **बाँलुका स्तूपों** से **मुक्त** है। • समुद्र तल से इस क्षेत्र की **औसत ऊँचाई** - 300 मीटर से 500 मीटर है। • **वर्षा** - पश्चिम में 25 सेमी से पूर्व में 50 सेमी । • यह क्षेत्र **रेतीली पहाड़ियों** और **निम्न गर्तों** से भरा हुआ है। • **तापमान अधिक** होने के कारण, **खारे पानी** के **वाष्पीकरण** से इन गड्ढों में **नमक** और **सोडा** जमा हो जाता है। इस कारण इस क्षेत्र को **बांका पट्टी या कूबड़ पट्टी** कहा जाता है |(**नागौर -अजमेर**) • इस क्षेत्र की **महत्वपूर्ण झीलें** सांभर, डेगाना, डीडवाना हैं।
गोडवाड़/ लूनी-जवाई बेसिन प्रदेश	• **जिला** - बाड़मेर, जलौर, जोधपुर, नागौर क्षेत्र - 34866.4 वर्ग किमी। • बेसिन **लूनी नदी** और उसकी **सहायक नदियों** बांडी, सागी, आदि द्वारा **सिंचित** है। • लूनी नदी **स्रोत से तिवारा** (बाड़मेर) तक के **क्षेत्र** को कवर करती है जहाँ **सुकडी नदी** मिलती है और बेसिन की **दक्षिणी सीमा** का **परिसीमन** करती है।
	• लूनी नदी **अजमेर** के पास **अरावली पहाड़ियों** से निकलती है और **दक्षिण-पश्चिम** की ओर **बहती** है। इसकी **सहायक नदियाँ** जोजडी, लीलड़ी, सुकड़ी, बांडी, जवाई, खारी, सागी, मित्री आदि हैं। • लूनी में **वर्षा** के दौरान **बाढ़** आती है। • स्थलाकृति **खड़ी ढलानों** और **विस्तृत जलोढ़ मैदानों** वाली पहाड़ियों द्वारा **चिह्नित** है। • **लूनी नदी** और **अरावली पर्वतमाला** की **तलहटी** की पहाड़ियों के बीच का **जलोढ़ मैदान ऐयोलिन रेत** के **निक्षेपों** से आच्छादित है। • इस क्षेत्र को स्थानीय रूप से **नाईद** (रेल) के रूप में जाना जाता है और यह सबसे **अच्छे जलोढ़ मैदानों** में से एक है।

मरुस्थल की अन्य विशेषताएँ

1. **प्लाया/ खड़ीन झील** - अस्थायी पानी की झीलें, जिसमें **पालीवाल ब्राह्मणों** द्वारा की जाने वाली कृषि खड़ीन कृषि कहा जाता है |
2. **आगोर** - घर के आँगन में निर्मित जल संग्रहण के लिए बना टांका या झालरा आगोर कहलाता है
3. **नाड़ी** - प्राकृतिक गड्ढे में जल का संग्रहण नाडी कहलाता है जिसके जल का उपयोग पशुपालन एवं दैनिक कार्यों के लिए किया जाता है।
   नाड़ी विशेष रूप से जोधपुर में है।
4. **बावड़ी** - सामान्यत सीढीनुमा चोकोर तालाब बावड़ी कहलाता है।
   बावड़ी शक जाति द्वारा प्रारंभ की गई बावडियों का शहर – बूंदी।
5. **बेरा या बेरी** - खड़ीन या टोबा या नाड़ी से रिसने वाले जल के सदुपयोग के लिए इसके चारों ओर छोटे-छोटे कुएँ बना दिये जाते हैं जिन्हे जैसलमेर के आसपास के क्षेत्रों में बेरा या बेरी कहा जाता है।
6. **टोबा** - कृत्रिम रूप से निर्मित गड्ढ़े में जल संग्रहण टोबा कहलाता है।
7. **जोहड या खू** - शेखावाटी क्षेत्र में पाये जाने वाले कुएँ जोहड़ या खू कहलाते हैं जो टोबा या नाड़ी में रिसने वाले जल का सदुपयोग करने के लिए निर्मित किये जाते हैं।

पश्चिम राजस्थान में हरियाली के प्रकार या क्षेत्र

पश्चिमी राजस्थान सामान्यत शुष्क एवं मरूस्थलीय क्षेत्र है फिर भी कहीं-कहीं जल की उपलब्धता के कारण यहाँ हरियाली मिलती है। इस तरह पश्चिमी राजस्थान में हरियाली के भिन्न-भिन्न रूप निम्नांकित है-

1. मरूद्भिद् (XEROPHYTE)

अरावली के पश्चिम में पायी जाने वाली कंटीली झाडियाँ एवं वनस्पति मरूद्भिद कहलाती हैं। इनकी जड़ें अधिक गहरी तथा पत्तियाँ काँटों के रूप में होती है। जैसे - बबूल, कैर, बेर, नागफनी, आक, फोग, खेजड़ी, खींप, रोहिड़ा, झरबेरी इत्यादि।

2. चाँधन नलकूप

जैसलमेर का वह क्षेत्र जहाँ मीठा भूमिगत पानी मिलता है। चाँधन नलकूप कहलाता है। इसे 'थार का घड़ा' भी कहते हैं। इसका कारण यहाँ पौराणिक सरस्वती नदी के अवशेष होना बताया जाता हैं।

3. मरूद्यान या नखलिस्तान (OASIS)

मरूस्थल में वह क्षेत्र जहाँ जल की उपलब्धता होने के कारण वह क्षेत्र हरा-भरा हो जाता है, जैसे चाँधन नलकूप, श्री कोलायत झील।

4. तल्ली/मरहो/बालसन

मरूस्थल में बालूका स्तूपों के मध्य मिलने वाली निम्न भूमि तल्ली/मरहो/बालसन कहलाती है।

5. रन/टाट

मरूस्थल में लवणीय, दलदली व अनुपजाऊ भूमि को रन/टाट कहा जाता है। रन सर्वाधिक जैसलमेर में पाए जाते हैं।

प्रमुख रन

तालछापर रन	चूरू
परिहारी रन	चूरु/शेखावाटी
फलोदी रन	जोधपुर
बाप रन	जोधपुर
भाकरी रन	जैसलमेर
पोकरण रन	जैसलमेर

- **ऑकल वुड फोसिल पार्क** - जैसलमेर, जुरासिक काल के समय (18 करोड़ वर्ष पूर्व) का, वर्तमान में राष्ट्रीय मरु उधान में स्थित।
- **जल पट्टी\लाठी सीरिज - जैसलमेर में पोकरण व मोहनगढ़ के बीच** 60 किमी. का क्षेत्र, प्राचीन सरस्वती का अवशेष, गोडावन की शरण स्थली।
- **मरुस्थल का मार्च** - मरुस्थल का आगे बढ़ना ,दक्षिण -पश्चिम से उत्तर -पूर्व की ओर।

2. अरावली पर्वतीय प्रदेश

- **प्री-कैम्ब्रियन युग** में निर्मित।
- **अरावली पर्वतमाला** राज्य में एक **वर्षा विभाजक** रेखा का कार्य करती हैं।
- **राज्य का सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान** - माउण्ट आबू (लगभग 150 सेमी.) इसी में स्थित हैं।
- **जलवायु** - उपआर्द्र जलवायु।
- **मृदा** -काली, भूरी, लाल व कंकरीली मिट्टी।
- अमेरिका के **अप्लेशियन पर्वत के समान** है।
- अरावली पर्वत श्रृंखला **गोंडवाना लैंड** का **अवशेष** है।
- इसके **दक्षिणी भाग** में पठार, **उत्तरी भाग** में मैदान एवं **पश्चिमी भाग** में मरुस्थल है।
- अरावली पर्वत श्रेणी **राजस्थान को दो भागों में बाँटती** है, राजनीतिक दृष्टि से राजस्थान के 33 जिलों में से अरावली पर्वत श्रेणी के **पश्चिम** में **13 जिले** तथा **पूर्व** में **20 जिले** हैं।
- अरावली **वलित पर्वतमाला** है।
- **कुल लम्बाई** - 692 किमी. है।
- **खेड़ ब्रह्मा** (पालनपुर, गुजरात) गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से होते हुई दिल्ली में **रायसीना हिल्स** (राष्ट्रपति भवन) तक विस्तृत है।
- **राजस्थान** में अरावली श्रृंखला की **लम्बाई 550 किमी**. है। (80%)
- राजस्थान में अरावली श्रृंखला **सिरोही से खेतड़ी** (झुँझुनूँ) के उत्तर पूर्व की ओर फैली हुई है।
- यह पर्वत श्रेणी राज्य में विकर्ण के रूप में **दक्षिण-पश्चिम से उत्तर पूर्व** की ओर **विस्तृत** है।

- अरावली की चौड़ाई **उदयपुर** और **डूँगरपुर** की तरफ **दक्षिण पश्चिम** में से बढ़ने लगती है।
- अरावली पर्वतमाला के **उत्तरी** और **मध्यवर्ती भाग क्वार्टजाइट चट्टानों** से बने हैं।
- जबकि **दक्षिण** में आबू के निकट ऊँचे पर्वतीय खंड **ग्रेनाइट चट्टानों** के बने हुए हैं।
- राजस्थान में **कम वर्षा होने का प्रमुख कारण**-अरावली पर्वत शृंखला का मानसून पवनों के समानान्तर होना।
- विश्व की **प्राचीनतम वलित पर्वत शृंखला** अरावली है।
- अरावली पर्वत शृंखला **धारवाड़ समय के समाप्त** होने तक तथा **विन्ध्यन काल के प्रारम्भ तक अस्तित्व** में आई थी।
- अरावली पर्वत का **सर्वाधिक महत्व**-उत्तर-पश्चिम में फैले विशाल थार के मरूस्थल को दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ने से रोकना है।
- अरावली पर्वतमाला की **औसत ऊँचाई** – 930 मीटर।
- अरावली को अध्ययन के आधार पर **चार भागों में बाँटा** जाता है।
- अरावली का सर्वाधिक ऊँचाई – सिरोही
- सर्वाधिक विस्तार – उदयपुर
- न्यूनतम ऊँचाई – जयपुर
- न्यूनतम विस्तार – अजमेर

सांभर बेसिन/ शेखावाटी की निचली पहाड़ियाँ	• **जिला**-चूरू, सीकर, झुँझुनूँ, नागौर। • **क्षेत्र** - 400 वर्ग मीटर • यह क्षेत्र **रेतीली पहाड़ियों** और **भूमि जल निकासी** से **भरा** है।
मारवाड़ की पहाड़ियाँ	• **जिला** - जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, अजमेर। • **क्षेत्रफल**- 4400 वर्ग किमी • **औसत स्तर**- 550 मी.

उत्तर-पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र या अलवर की पहाड़ियाँ

- **दिल्ली से अलवर** और **जयपुर** की अलग-अलग पहाड़ियों तक फैला है।
- **जिले**- जयपुर, सीकर, खेतड़ी, अलवर, सवाई माधोपुर।
- इन्हें **अलवर पहाड़ियाँ** भी कहा जाता है।
- **औसत ऊँचाई** - 300 मीटर से 670 मीटर।
- उत्तरी अरावली की सर्वोच्च चोटी – **रघुनाथगढ (सीकर**)।
- **चपटी पहाड़ी चोटियाँ** - छोटे पठार का निर्माण करती हैं।
- **झील**- सांभर, रामगढ़, सिलीसेढ़
- **औसत ऊँचाई** 300-670 मीटर
- **उत्तर** और **पूर्व** में यह **गंगा-यमुना** के **मैदानों** में मिल जाती है।

पहाड़ियाँ

- **मालखेत** और **खेतड़ी पहाड़ियाँ**
- **तोरावाटी पहाड़ियाँ**

उत्तर-पूर्वी अरावली क्षेत्र की चोटियाँ

- रघुनाथगढ़ (सीकर) - 1055 मीटर
- खो (जयपुर) - 920 मीटर
- भैराच (अलवर) - 792 मीटर
- बरवाड़ा (जयपुर) - 786 मीटर
- बबाई (झुँझुनूँ) - 780 मीटर
- बिलाली (अलवर) - 775 मीटर
- मनोहरपुरा (जयपुर) - 747 मीटर
- बैराठ (जयपुर) - 704 मीटर
- सरिस्का (अलवर) - 677 मीटर
- सिरवास - 651 मीटर

मध्य अरावली पहाड़ी क्षेत्र

- **जिले** - अजमेर, दक्षिण-पश्चिमी टोंक, जयपुर जिले शामिल हैं।
- **मध्य अरावली पर्वतमाला** की **लंबाई** 100 किमी., **चौड़ाई** 30 किमी. और घाटियों की **गहराई** 550 मी. है।
- **ऊँचाई**- 700 मीटर।
- **सबसे ऊँची चोटी/ऊँचाई**- मोरामजी\टॉड्गढ़ (934मी.), तारागढ़ (873)
- **मध्य/अरावली** सांभर झील से देवगढ़ चोटी के दक्षिण में भोराट पठार तक फैली हुई है।
- उत्तर में अलवर की पहाड़ियाँ, पूर्व में करौली पठार, दक्षिण में बनास मैदान, पश्चिम में सांभर बेसिन।
- बर्र दर्रा, सूरा घाट एवं शिव पुर घाट मध्य अरावली में स्थित है।

मध्य अरावली क्षेत्र की चोटियाँ

- गोरमजी (अजमेर) - 934 मीटर
- तारागढ़ (अजमेर) - 873 मीटर
- नाग पहाड़ (अजमेर) -795 मीटर

मध्य अरावली रेंज आगे **दो भू-आकृतिक इकाइयों में उप-विभाजित** है।

मेवाड़ चट्टानी क्षेत्र और भोराट का पठार

- उदयपुर, पाली और डूँगरपुर जिलों के दक्षिण-पूर्वी सीमान्त क्षेत्र **शामिल** हैं।
- **क्षेत्रफल**- 17007 वर्ग किमी
- **स्थान**- यह दक्षिण से दक्षिण पूर्व की ओर स्थित
- **औसत ऊँचाई**- 1225 मी.
- अरावली पर्वतमाला का **उच्चतम भाग** कुंभलगढ़ और गोगुन्दा के किलों के बीच पठार के रूप में स्थित, जिसे स्थानीय रूप से '**भोराट**' के नाम से जाना जाता है।

दक्षिणी अरावली क्षेत्र की चोटियाँ

- दक्षिणी अरावली क्षेत्र की चोटियाँ
- कुम्भलगढ़ (राजसमंद) 1224 मीटर,
- धौनिया - 1183 मीटर,
- ऋषिकेश - 1017 मीटर,
- कमलनाथ (उदयपुर) - 1001 मीटर,
- सज्जनगढ़ (उदयपुर)- 938 मीटर,

- लीलागढ़ - 874 मीटर
- **'भोराट' की ऊँचाई**- 1225 मी
- भोराट पठार **अरावली** की **सबसे ऊँची पठारी भूमि** में से एक है।

पहाड़ियाँ

- मेवाड़ की पहाड़ियाँ और भोराट का पठार,
- गिरवा पहाड़ियाँ,
- मेरवाड़ा पहाड़ियाँ

आबू पर्वत खंड

- आबू ब्लॉक **पश्चिमी सीमा** को छोड़कर लगभग **पूरे सिरोही जिले** को कवर करता है।
- यह पूरी तरह **पहाड़ी खंड** है।
- इसका **पूर्वी भाग माउंट आबू** के साथ एक अनियमित पठार के रूप में है।
- **जिला**- आबू, सिरोही
- **आच्छादित क्षेत्र**- 5180 वर्ग किमी
- **लंबाई**- 10 किमी, चौड़ाई- 8 किमी
- **स्थान**- सिरोही में आबू के पश्चिम में
- **प्रमुख विशेषता**- आबू का लगभग अलग-थलग पहाड़ी क्षेत्र है। इसमें **ग्रेनाइट** होता है।
- इसे पश्चिमी बनास की **चौड़ी घाटी** द्वारा **मुख्य अरावली पर्वतमाला** से अलग किया गया है।

आबू पर्वत खंड क्षेत्र की चोटियाँ

- गुरु शिखर (सिरोही) 1722 मीटर,
- सेर (सिरोही) - 1597 मीटर,
- दिलवाड़ा (सिरोही) - 1442 मीटर,
- जरगा (उदयपुर) - 1431 मीटर,
- अचलगढ़ (सिरोही) - 1380 मीटर

पहाड़ियाँ

- आबू की पहाड़ियाँ और उड़िया का पठार

राजस्थान में अरावली पहाड़ियों की शीर्ष चोटियाँ (RAS -P-2013,2018)

चोटी	ऊँचाई (मी.)	जिला
गुरु शिखर	1722	माउंट आबू, सिरोही
सेर	1592	सिरोही
देलवाड़ा	1442	सिरोही
जरगा/जारग	1431	उदयपुर
अचलगढ़	1380	सिरोही
कुम्भलगढ़	1224	राजसमंद
रघुनाथगढ़	1055	सीकर
ऋषिकेश	1017	सिरोही
कमलनाथ	1001	उदयपुर
खो	920	जयपुर
तारागढ़	870	अजमेर
भैरच	792	अलवर
बबाई	780	झुँझुनूँ
बैराठ	704	जयपुर

अरावली के प्रमुख दर्रे/नाल

- पर्वतों के बीच नीचा व तंग मार्ग जो दो ओर के स्थानों को जोड़ता है उसे नाल या दर्रा कहा जाता है।

उदयपुर	ढेबर नाल, केवडा नाल, फुलवारी नाल, हाथी नाल।
राजसमन्द	हाथी गुढा, कमली घाट, गोरम घाट, पगल्या/जीलवा नाल (राजसमन्द-पाली)
पाली	बरनाल (पाली -अजमेर), देसूरी नाल।
अजमेर	सुर नाल

नोट - **सर्वाधिक नाल** या दर्रे **राजसमन्द** जिले में स्थित हैं।

3. पूर्वी मैदानी प्रदेश

- **अरावली पर्वतमाला** के उत्तर पूर्व, पूर्व और दक्षिण पूर्व के क्षेत्र को पूर्वी मैदान के रूप में जाना जाता है।
- टेथिस सागर से निर्मित
- **विंध्य का पठार** मैदान की **दक्षिण-पूर्वी सीमा** को दर्शाता है।
- पश्चिमी सीमा **उदयपुर** के उत्तर तक **अरावली** के **पूर्वी किनारे** से सीमांकित है।
- **जिले**- टोंक, बूँदी, अजमेर, जैसलमेर, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, भरतपुर।
- **प्रतिशत**- कुल क्षेत्रफल का 23.3%
- पूर्वी मैदान को **चार क्षेत्रों में विभाजित** किया गया है-

(i) चंबल बेसिन

- **जिला**- कोटा, बूँदी, बाराँ, टोंक, सवाई माधोपुर, धौलपुर।
- **क्षेत्रफल**- 4500 वर्ग किमी.
- **औसत चौड़ाई**- 10 किमी.
- बेसिन में **जलोढ़ मैदान, झरने**, **अंतर्प्रवाह** और **गर्त** पाए जाते है।
- चंबल, बाणगंगा, कालीसिंध, पार्वती **नदियाँ** पायी जाती हैं।

(ii) बनास बेसिन

- **जिला**-उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर।
- **औसत ऊँचाई**- 280 - 500 मी.
- **क्षेत्रफल**- 187400 वर्ग किमी.
- **इसका ढलान पश्चिम की और है**
- यह **बनास** और उसकी **सहायक नदियों** द्वारा लायी गयी जलोढ़ से बना एक **ऊँचा प्रायद्वीपीय मैदान** है।
- इसे नीचे उल्लिखित **दो उप-क्षेत्रों** में विभाजित किया गया है-